श्री भवानन्द संस्कृत महाविद्यालय

पुनर्जी, जहानागंज, आजमगढ़ - २७६१३१

पत्राङ्क - स०भ०वि/60/2017-18 दिनाङ्क - 6.10.17

कार्यवृत्त

आई.क्यू.ए.सी. की बैठक

दिनाङ्क 06.10.2017 को आइ.क्यू.ए.सी. की बैठक महाविद्यालय के बहुद्देशीय सभागार में आहूत की गयी। जिसमें निम्न सदस्यों ने प्रतिभाग किया –

क्र.सं.	समन्वयक/सदस्य का नाम	वर्तमान पद	समिति में निर्धारित पद	हस्ताक्षर
1.	डॉ. अजीत पाण्डेय	प्रधानाचार्य	अध्यक्ष	
2.	डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय	वरिष्ठ अध्यापक	समन्वयक	
3.	श्री सूर्यनारायण पाठक	संस्था के अध्यक्ष	सदस्य	
4.	श्री ओम प्रकाश राय	सहायक विभागाध्यक्ष	सदस्य	
5.	डॉ. दयानन्द पाठक	सहायक विभागाध्यक्ष	सदस्य	
6.	श्री विनोद कुमार मिश्र	सहायक विभागाध्यक्ष	सदस्य	
7.	श्री चन्द्र भूषण पाण्डेय	खण्ड शिक्षा अधिकारी	सदस्य	
8.	सतीश चन्द्र प्रजापति	छात्र शिक्षाशास्त्री प्रथम	सदस्य	
9.	अंकिता यादव	सदस्य पूर्व छात्र संघ	सदस्य	
10.	श्री राकेश द्विवेदी	अभिभावक छात्रा	सदस्य	

समन्वयक डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय जी ने प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही को प्रारम्भ किया तथा निम्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुयी –

प्रस्ताव संख्या 1	:	समन्वयक महोदय ने सत्र 2017-18 हेतु विगत वर्ष में कार्यरत सभी समितियों के त्रैमासिक प्रगति विवरणों पर चर्चा की तथा सभी के कार्य पर सदस्यों ने सन्तोष व्यक्त किया। जिसमें नैक मूल्यांकन समिति ने बताया की आई.आई.क्यू.ए. की सम्पूर्ण तैयारी हो गयी है तथा नैक का विन्डो खुलते ही इसे प्रेषित कर दिया जायेगा तथा इसी डी.डी. बनवाने की आश्यकता है। इस पर कार्यालय में वित्त का कार्य देखने वाले सम्बन्धित को दिशा-निर्देश देने पर सहमति बनी।
प्रस्ताव संख्या 2	:	सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति ने मध्य सत्र में महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक माह में आयोजित शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में सर्वप्रथम स्थान लाने वाले तथा यही परम्परा दूसरे महाविद्यालयों में भी प्रारम्भ करने का आग्रह करते हुए तीन दिवसीय शास्त्रार्थ परम्परा को प्रारम्भ करने की योजना में दूसरे महाविद्यालयों को प्रेषित पत्रों को प्रदर्शित किया 19 से 21 अप्रैल तक इसके आयोजित होने की सूचना दी। जिसे सहर्ष स्वीकार कर लिया गया।
प्रस्ताव संख्या 3		संगोष्ठि (सेमीनार) आयोजन समिति ने महाविद्यालय में शोध की प्रवृत्ति को जागृत करने हेतु माह 6 सितम्बर को एक सेमीनार आयोजित होने की चर्चा हुई तथा इसका शीर्षक निर्धारण तथा खर्च का आगणन शीघ्र ही प्रस्तुत करने को कहा गया।
प्रस्ताव संख्या 4	:	खेलकूद कार्यक्रम समिति ने विश्वविद्यालय में महाविद्यालय तथा अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं के मध्य तीन दिवसीय खेलकूद का आयोजन 28 नवम्बर से 30 नवम्बर के मध्य कराने की सबको अवगत कराया तथा कार्यक्रम को सम्पन्न कराने की अनुमति माँगी। योगाभ्यास के लिए योग्य शिक्षक से सम्पर्क के प्रयास से अवगत कराया।

श्री भवानन्द संस्कृत महाविद्यालय

पुनर्जी, जहानागंज, आजमगढ़ - २७६१३१

पत्राङ्क - .....

दिनाङ्क - .....

प्रस्ताव संख्या 5	:	स्वायत्तता समिति ने महाविद्यालय को स्वायत्तता की ओर उन्मुख करने की सम्भावनाओं से सबको अवगत कराया।
प्रस्ताव संख्या 6	:	शैक्षणिक समिति ने वर्तमान में चल रहे मूल्यपरक शिक्षा को सर्टीफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में परिवर्तित करने हेतु सिलाई हेतु उषा सिलाई मशीन से सम्बद्धतता प्राप्त करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। संगणक हेतु डोयेक से सम्बद्धता प्राप्त करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। वोकेशनल पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय अनुदान की योजना - स्वयं को विशिष्ट महाविद्यालय के रूप में स्थापित करने की दिशा में किये गये प्रयासों से अवगत कराया।
प्रस्ताव संख्या 7	:	स्वयं परियोजना समिति ने एम.एच.आर.डी. की परियोजना स्वयं से छात्रों को लाभान्तिव करने हेतु किये गये प्रयासों से अवगत कराया।
प्रस्ताव संख्या 8	:	भवन निर्माण समिति ने पृथक पुस्तकालय भवन का निर्माण, पृथक प्रशासनिक भवन का निर्माण, पृथक सेमीनार कक्ष का निर्माण, पृथक व्यायामशाला का निर्माण हेतु आगणन सम्बन्धी तैयारियों का विवरण प्रस्तुत किया।
प्रस्ताव संख्या 9	:	आई टी समिति ने वर्तमान कक्षा में श्यामपट्ट की परम्परा को यथावत रखते हुए अत्याधुनिक कक्षा में परिवर्तित करना हेतु स्मार्ट क्लसेस का आगणन तथा वर्तमान में परिसर में उपस्थित वाई-फाई की क्षमता में वृद्धि करने हेतु वांछित परिवर्तनों से अवगत कराया।
प्रस्ताव संख्या 10	:	परीक्षा सञ्चालन समिति ने 21 नवम्बर से द्वितीय चरण की आयोजित परीक्षा की तैयारियों से सभी को अवगत कराया।
प्रस्ताव संख्या 11	:	फीडबैक समिति ने पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्राप्त फीडबैक तथा सुझाव एवं लिए गए निर्णयों से सभी को अवगत कराया तथा यह भी बताया इन निर्णयों को बेबसाईट पर प्रदर्शित करना है।

बैठक के अन्त में प्रधानाचार्य महोदय एवं समन्वयक के द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों को धन्यवाद दिया गया तथा करतल ध्वनि से आगामी तिथि 07.01.2018 को उपस्थित होने की चर्चा के साथ बैठक को सम्पन्न किया गया।

छात्र प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

आवश्यक सूचना : समस्त सूचना प्रदाताओं से अनुरोध है कि यह प्रपत्र वर्तमान पाठ्यक्रम की समीक्षा करने तथा परिवर्तन एवं नये तथ्य जोड़ने के उद्देश्य से आपके समक्ष प्रस्तुत है। कृपा कर ध्यान से कक्षा एवं अध्ययन के अनुभवों के आधार पर अपना बहुमूल्य समय देकर अपने विचारों से हमें अवगत करावें। जिससे कि पाठ्यक्रम संवर्द्धन की दिशा में अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

छात्र का नाम : अध्ययनरत कक्षा :

छात्र पहचान संख्या :

1. क्या आप अपने सम्बन्धित कक्षा के वर्तमान पाठ्यक्रम से संतुष्ट हैं ?

   (क) हाँ (ख) नहीं

2. क्या वर्तमान पाठ्यक्रम में आप कुछ सुधार चाहते हैं?

   (क) हाँ (ख) नहीं

3. क्या आपका पाठ्यक्रम रोजगारपरक है?

   (क) हाँ (ख) नहीं

4. क्या आप अपने पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाना चाहते हैं?

   (क) हाँ (ख) नहीं

5. क्या आप महाविद्यालय में वर्तमान में चल रहे मूल्यपरक पाठ्यक्रम जैसे-कम्प्यूटर का ज्ञान, संस्कृत सम्भाषण, अंग्रेजी सम्भाषण तथा सिलाई प्रशिक्षण से संतुष्ट हैं?

   (क) हाँ (ख) नहीं

6. महाविद्यालय वर्तमान में चल रहे मूल्यपरक पाठ्यक्रम को सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में बदलना चाहता है क्या आप इससे सहमत हैं?

   (क) हाँ (ख) नहीं

7. आपके लिए हितकर कुछ नये पाठ्यक्रमों जैसे ई-पाठशाला, स्वयं, मूक्स इत्यादि से महाविद्यालय आपको परिचित कराना चाहता है? क्या आप इससे परिचित होना चाहते हैं?

   (क) हाँ (ख) नहीं

8. वर्तमान में छात्रों के सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु समस्त पाठ्यक्रम को महाविद्यालय स्तर से चार चरणों में बाँटा गया है, क्या आप इससे लाभान्वित हैं?

   (क) हाँ (ख) नहीं

9. क्या आप वर्तमान में प्रचलित वार्षिक पाठ्यक्रम को सेमेस्टर में परिवर्तित होना चाहेंगे?

   (क) हाँ (ख) नहीं

सुझावः-.....

.....

.दिनांक .....

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा

छात्र प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

कक्षा का नाम : .....

कुल छात्र/छात्राएँ : .....

विश्लेषण हेतु प्राप्त छात्र/छात्राएँ प्रतिक्रिया का विवरण

प्रश्न क्र.सं.	प्राप्त प्रतिक्रिया		
	हाँ	नहीं	कोई उत्तर नहीं
1	176	30	-
2	197	09	-
3	08	198	-
4	190	16	-
5	201	05	-
6	190	16	-
7	186	20	-
8	192	14	-
9	105	101	-

महत्वपूर्ण सुझाव :

1. प्रायः छात्र सेमेस्टर प्रणाली के पक्षधर हैं।
2. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों से संतुष्ट हैं।
3. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों को सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में परिवर्तित करना चाहते हैं।

समन्वयक प्रतिक्रया (फीडबैक समिति)

कक्षाध्यापक

प्रधानाचार्य

छात्र प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

कक्षा का नाम : .....

कुल छात्र/छात्राएँ : .....

विश्लेषणोपरान्त प्राप्त निष्कर्ष एवं सुझाव तथा निर्देश

निष्कर्ष

1. प्रायः छात्र सेमेस्टर प्रणाली के पक्षधर हैं।
2. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों से संतुष्ट हैं।
3. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों को सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में परिवर्तित करना चाहते हैं।

सुझाव

1. महाविद्यालय के सभी छात्र सेमेस्टर प्रणाली के पक्षधर हैं। अतः इस हेतु एक पत्र सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति महोदय को लिखा जाय।
2. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रम संस्कृत सम्भाषण, अंग्रेजी सम्भाषण, संगणक ज्ञान एवं अनुप्रयोग तथा सिलाई प्रशिक्षण हेतु मान्यता प्रदान करने वाली संस्थाओं से सम्पर्क किया जाय।

कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देश

इसके क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय के कार्यालय एवं सक्षम व्यक्ति को सूचना दे दी गयी।

समन्वयक प्रतिक्रया (फीडबैक समिति)

कक्षाध्यापक

प्रधानाचार्य

अध्यापक प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

आवश्यक सूचना : समस्त सूचना प्रदाताओं से अनुरोध है कि यह प्रपत्र वर्तमान पाठ्यक्रम की समीक्षा करने तथा परिवर्तन एवं नये तथ्य जोड़ने के उद्देश्य से आपके समक्ष प्रस्तुत है। कृपा कर ध्यान से कक्षा एवं अध्यापन के अनुभवों के आधार पर अपना बहुमूल्य समय देकर अपने विचारों से हमें अवगत करावें। जिससे कि पाठ्यक्रम संवर्द्धन की दिशा में अग्रेतर कार्यवाही की जा सके?

कुल अध्यापकों की संख्या :

1. क्या आप अपने सम्बन्धित कक्षा के वर्तमान पाठ्यक्रम से संतुष्ट हैं ?
   (क) हाँ (ख) नहीं
2. क्या वर्तमान पाठ्यक्रम में आप कुछ सुधार चाहते हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
3. क्या आपको प्राप्त पाठ्यक्रम रोजगारपरक है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
4. क्या आप महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाना चाहते हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
5. क्या आप महाविद्यालय वर्तमान में चल रहे मूल्यपरक पाठ्यक्रम जैसे-कम्प्यूटर का ज्ञान, संस्कृत सम्भाषण, अंग्रेजी सम्भाषण तथा सिलाई प्रशिक्षण को उचित मानते हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
6. महाविद्यालय वर्तमान में चल रहे मूल्यपरक पाठ्यक्रम को सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में बदलना चाहता है क्या आप इससे सहमत हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
7. वर्तमान में छात्रों के सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु समस्त पाठ्यक्रम को महाविद्यालय स्तर से चार चरणों में बाँटा गया है, क्या इससे छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
8. महाविद्यालय, विश्वविद्यालय को सेमेस्टर सिस्टम लागू करने के लिए पत्र लिखना चाहता है? क्या इसकी आवश्यका है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
9. महाविद्यालय, विश्वविद्यालय को सेमेस्टर सिस्टम लागू होने के बाद च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम लागू करने के लिए पत्र लिखना चाहता है? क्या इसकी आवश्यकता है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
10. क्या आप सभी ने ई-पाठशाला, स्वयं, मूक्स, इग्नू इत्यादि का अध्ययन कर लिया है?
    (क) हाँ (ख) नहीं

सुझाव : .....

.....

दिनांक .....

हस्ताक्षर अध्यापक/अध्यापिका

अध्यापक प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

कुल अध्यापकों की संख्या :

विश्लेषण हेतु प्राप्त अध्यापक प्रतिक्रिया का विवरण

प्रश्न क्र.सं.	प्राप्त प्रतिक्रिया		
	हाँ	नहीं	कोई उत्तर नहीं
1	18	00	-
2	18	00	-
3	0	18	-
4	18	00	-
5	18	00	-
6	16	02	-
7	17	01	-
8	18	00	-
9	18	00	-
10	18	01	-

महत्वपूर्ण सुझाव :

1. संस्था के पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाते हुए सेमेस्टर प्रणाली परीक्षा लागू किया जाना श्रेयस्कर होगा।
2. सेमेस्टर के पश्चात् सी.बी.सी.एस. प्रणाली भी लागू किया जाना श्रेयस्कर होगा।
3. ई-पाठशाला, स्वयं, मूक्स के बारे में सभी ने अध्ययन कर लिया है।

समन्वयक प्रतिक्रया (फीडबैक समिति)

कक्षाध्यापक

प्रधानाचार्य

अध्यापक प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

कुल अध्यापकों की संख्या :

विश्लेषणोपरान्त प्राप्त निष्कर्ष एवं सुझाव तथा निर्देश

निष्कर्ष

1. संस्था के पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाते हुए सेमेस्टर प्रणाली परीक्षा लागू किया जाना श्रेयस्कर होगा।
2. सेमेस्टर के पश्चात् सी.बी.सी.एस. प्रणाली भी लागू किया जाना श्रेयस्कर होगा।
3. ई-पाठशाला, स्वयं, मूक्स के बारे में सभी ने अध्ययन कर लिया है।

सुझाव

1. महाविद्यालय के सभी अध्यापक सेमेस्टर प्रणाली के पक्षधर हैं। अतः इस हेतु एक पत्र सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति महोदय को लिखा जाय।
2. सेमेस्टर के पश्चात् सी.बी.सी.एस. प्रणाली भी लागू किया जाय इस हेतु भी एक पत्र सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति महोदय को लिखा जाय।
3. ई-पाठशाला, स्वयं, मूक्स के बारे में सभी ने अध्ययन कर लिया है तो इस हेतु एक आन्तरिक कार्यशाला आयोजित की जाय।

कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देश

इसके क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय के कार्यालय एवं सक्षम व्यक्ति को सूचना दे दी गयी।

समन्वयक प्रतिक्रया (फीडबैक समिति)

कक्षाध्यापक

प्रधानाचार्य

अभिभावक प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

आवश्यक सूचना : समस्त सूचना प्रदाताओं से अनुरोध है कि यह प्रपत्र वर्तमान पाठ्यक्रम की समीक्षा करने तथा परिवर्तन एवं नये तथ्य जोड़ने के उद्देश्य से आपके समक्ष प्रस्तुत है। कृपा कर ध्यान से अपने पुत्र/पुत्री के विकास के आधार पर अपना बहुमूल्य समय देकर अपने विचारों से हमें अवगत करावें। जिससे कि हम अग्रेतर सुधार कर सकें।

छात्र का नाम : अध्ययनरत कक्षा :

छात्र पहचान संख्या : अभिभावक का नाम :

1. क्या आपको पता है कि आपकी पुत्र/पुत्री महाविद्यालय में किस कक्षा में अध्ययनरत है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
2. क्या आपने महाविद्यालय में संचालित वर्तमान पाठ्यक्रम को देखा है ?
   (क) हाँ (ख) नहीं
3. क्या वर्तमान पाठ्यक्रम में आप कुछ सुधार चाहते हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
4. क्या यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
5. क्या आप इस पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाना चाहते हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
6. क्या आपको पता है कि महाविद्यालय में कम्प्यूटर का ज्ञान, संस्कृत सम्भाषण, अंग्रेजी सम्भाषण तथा सिलाई प्रशिक्षण की कक्षायें चलाई जाती हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
7. क्या आपकी पुत्र/पुत्री इस पाठ्यक्रम में अध्ययनरत है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
   (क) हाँ (ख) नहीं
8. क्या इससे आपके पुत्र/पुत्री को कुछ लाभ मिला है?
   (क) हाँ (ख) नहीं
9. वर्तमान में छात्रों के सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु समस्त पाठ्यक्रम को महाविद्यालय स्तर से चार चरणों में बाँटा गया है, क्या इससे आपके पुत्र/पुत्री लाभान्वित हैं?
   (क) हाँ (ख) नहीं
10. क्या आप वर्तमान में प्रचलित वार्षिक पाठ्यक्रम को सेमेस्टर में परिवर्तित होना चाहेंगे?
    (क) हाँ (ख) नहीं

सुझाव : .....

.....

दिनांक .....

हस्ताक्षर माता/पिता/अभिभावक

अभिभावक प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

कुल छात्र/छात्राओं के अभिभावकों की संख्या : 206

विश्लेषण हेतु प्राप्त छात्र/छात्राएँ प्रतिक्रिया का विवरण

प्रश्न क्र.सं.	प्राप्त प्रतिक्रिया		
	हाँ	नहीं	कोई उत्तर नहीं
1	206	00	-
2	191	12	03
3	201	03	02
4	205	01	-
5	203	01	2
6	196	-	10
7	198	06	02
8	178	14	14
9	190	06	10
10	194	05	07

महत्वपूर्ण सुझाव :

1. संस्था के पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाते हुए सेमेस्टर प्रणाली परीक्षा लागू किया जाना श्रेयस्कर होगा।
2. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों से संतुष्ट हैं।
3. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों को सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में परिवर्तित करना चाहते हैं।

समन्वयक प्रतिक्रया (फीडबैक समिति)

कक्षाध्यापक

प्रधानाचार्य

अभिभावक प्रतिक्रिया प्रपत्र (पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में)

कुल छात्र/छात्राओं के अभिभावकों की संख्या : .....

विश्लेषणोपरान्त प्राप्त निष्कर्ष एवं सुझाव तथा निर्देश

निष्कर्ष

1. संस्था के पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बनाते हुए सेमेस्टर प्रणाली परीक्षा लागू किया जाना श्रेयस्कर होगा।
2. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों से संतुष्ट हैं।
3. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रमों को सर्टिफिकेट तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में परिवर्तित करना चाहते हैं।

सुझाव

1. महाविद्यालय के छात्रों के अभिभावक सेमेस्टर प्रणाली के पक्षधर हैं। अतः इस हेतु एक पत्र सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति महोदय को लिखा जाय।
2. वर्तमान में चल रहे मूल्य परक पाठ्यक्रम संस्कृत सम्भाषण, अंग्रेजी सम्भाषण, संगणक ज्ञान एवं अनुप्रयोग तथा सिलाई प्रशिक्षण हेतु मान्यता प्रदान करने वाली संस्थाओं से सम्पर्क किया जाय।

कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देश

इसके क्रियान्वयन हेतु महाविद्यालय के कार्यालय एवं सक्षम व्यक्ति को सूचना दे दी गयी।

समन्वयक प्रतिक्रया (फीडबैक समिति)

कक्षाध्यापक

प्रधानाचार्य